कक्षा 6 — हिंदी (मल्हार)

पाठ 1 : मातृभूमि (कवि: सोहनलाल द्विवेदी)

अभ्यास प्रश्न-पत्र — सेट 2

नाम (Name): ____________________ कक्षा/अनुभाग: 6 / ___

तारीख़ (Date): ____________

भाग अ : बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)

सही विकल्प चुनकर लिखिए।

1. 'त्रिवेणी' शब्द का अर्थ है—
   (क) एक पर्वत
   (ख) तीन नदियों का संगम
   (ग) एक फूल का नाम
   (घ) एक पक्षी

2. 'मलय पवन' किस दिशा से चलने वाली वायु है?
   (क) उत्तर भारत के पर्वत से
   (ख) दक्षिण भारत के मलय पर्वत से
   (ग) पूर्वी सागर से
   (घ) पश्चिमी रेगिस्तान से

3. 'रघुपति' किसका नाम है?
   (क) श्रीकृष्ण
   (ख) गौतम बुद्ध
   (ग) श्रीराम
   (घ) हनुमान

4. 'गीता' किस ग्रंथ का संक्षिप्त नाम है?
   (क) रामायण
   (ख) महाभारत
   (ग) श्रीमद्भगवद्गीता
   (घ) उपनिषद

5. गौतम बुद्ध किस धर्म के प्रवर्तक (संस्थापक) माने जाते हैं?
   (क) हिंदू धर्म
   (ख) बौद्ध धर्म
   (ग) जैन धर्म

CBSEClassWorksheets

(घ) सिख धर्म

6. कवि सोहनलाल द्विवेदी की रचनाओं का प्रिय विषय क्या था?
(क) प्रेम
(ख) देशभक्ति
(ग) हास्य
(घ) केवल प्रकृति-वर्णन

7. 'वंदे मातरम्' की रचना किसने की थी?
(क) सोहनलाल द्विवेदी
(ख) रवींद्रनाथ टैगोर
(ग) बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय
(घ) माखनलाल चतुर्वेदी

8. भारत में 'वंदे मातरम्' का स्थान किस गीत के समान माना जाता है?
(क) सारे जहाँ से अच्छा
(ख) जन गण मन
(ग) ऐ मेरे वतन के लोगो
(घ) वतन की राह

9. सोहनलाल द्विवेदी की एक अन्य प्रसिद्ध रचना है—
(क) पुष्प की अभिलाषा
(ख) कोशिश करने वालों की हार नहीं होती
(ग) वंदे मातरम्
(घ) साखी

10. कविता में 'सिंधु' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?
(क) नदी
(ख) पर्वत
(ग) सागर/महासागर
(घ) झरना

भाग ब : रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (Fill in the Blanks)

उचित शब्द से रिक्त स्थान भरिए।

1. जगमग छटा निराली, पग पग _____ रही हैं।

2. वह धर्मभूमि मेरी, वह _____ मेरी।

CBSEClassWorksheets

3. गौतम ने जन्म लेकर, जग का _____ बढ़ाया।

4. जग को दया सिखाई, जग को _____ दिखाया।

5. चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त _____ में।

6. कवि सोहनलाल द्विवेदी का प्रिय विषय _____ था।

7. 'त्रिवेणी' का अर्थ है तीन नदियों का _____।

8. 'वंदे मातरम्' के रचनाकार _____ हैं।

9. गौतम बुद्ध _____ धर्म के प्रवर्तक माने जाते हैं।

10. श्रीकृष्ण की वंशी से सुनाई गई पुनीत रचना का नाम _____ है।

भाग स : सही/गलत बताइए (True/False)

सही कथन के सामने 'सही' तथा गलत कथन के सामने 'गलत' लिखिए।

1. 'त्रिवेणी' का अर्थ है एक पर्वत का नाम। (सही / गलत)

2. मलय पवन दक्षिण भारत के मलय पर्वत से चलती है। (सही / गलत)

3. रघुपति श्रीकृष्ण का दूसरा नाम है। (सही / गलत)

4. गीता का पूरा नाम श्रीमद्भगवद्गीता है। (सही / गलत)

5. गौतम बुद्ध जैन धर्म के प्रवर्तक माने जाते हैं। (सही / गलत)

6. सोहनलाल द्विवेदी की कविताओं का प्रिय विषय देशभक्ति था। (सही / गलत)

7. 'वंदे मातरम्' की रचना सोहनलाल द्विवेदी ने की थी। (सही / गलत)

8. भारत में 'वंदे मातरम्' का स्थान 'जन गण मन' के समान है। (सही / गलत)

9. 'कोशिश करने वालों की हार नहीं होती' सोहनलाल द्विवेदी की रचना है। (सही / गलत)

10. कविता में 'सिंधु' शब्द एक छोटी नदी के लिए प्रयुक्त हुआ है। (सही / गलत)

CBSEClassWorksheets

भाग द : दो पंक्तियों में उत्तर दीजिए (Answer in 2 Lines)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो पंक्तियों में लिखिए।

1. 'त्रिवेणी' शब्द का क्या अर्थ है और यह कविता में किस संदर्भ में आया है?

2. 'मलय पवन' किसे कहते हैं?

3. 'रघुपति' और 'सीता' कविता में किनके नाम हैं?

4. 'गीता' किस ग्रंथ का नाम है और इसमें क्या है?

5. गौतम बुद्ध कौन थे?

6. कवि सोहनलाल द्विवेदी का जन्म किस काल में हुआ था?

7. सोहनलाल द्विवेदी की दो अन्य प्रसिद्ध रचनाओं के नाम लिखिए।

8. 'वंदे मातरम्' किसने रचा और इसका भारत में क्या महत्व है?

9. 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता आंदोलन में किस प्रकार सहायक रहा?

CBSEClassWorksheets

10. कविता में 'सिंधु' और 'गंगा-यमुना' शब्दों का उल्लेख किसलिए हुआ है?

भाग र : संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए (Reference to Context)

निम्नलिखित पंक्तियों का संदर्भ बताते हुए व्याख्या कीजिए। (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक)

1. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

गंगा यमुन त्रिवेणी नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली, पग पग छहर रही हैं।

2. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

झरने अनेक झरते पहाड़ियों में,
चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।

3. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

गौतम ने जन्म लेकर, जग का सुयश बढ़ाया,
जग को दया सिखाई, जग को दिया दिखाया।

4. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

सुजलाम् सुफलाम्, मलयज शीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्!

CBSEClassWorksheets

5. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

मुझे तोड़ देना वनमाली! उस पथ में देना तुम फेंक।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जावें वीर अनेक।

CBSEClassWorksheets

उत्तर-कुंजी (Answer Key) — सेट 2

भाग अ : बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ख) तीन नदियों का संगम
2. (ख) दक्षिण भारत के मलय पर्वत से
3. (ग) श्रीराम
4. (ग) श्रीमद्भगवद्गीता
5. (ख) बौद्ध धर्म
6. (ख) देशभक्ति
7. (ग) बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय
8. (ख) जन गण मन
9. (ख) कोशिश करने वालों की हार नहीं होती
10. (ग) सागर/महासागर

भाग ब : रिक्त स्थानों के उत्तर

1. छहर
2. कर्मभूमि
3. सुयश
4. दिया
5. झाड़ियों
6. देशभक्ति
7. संगम
8. बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय
9. बौद्ध
10. गीता

भाग स : सही/गलत के उत्तर

1. गलत — इसका अर्थ है तीन नदियों का संगम।
2. सही
3. गलत — यह श्रीराम का नाम है।
4. सही
5. गलत — वे बौद्ध धर्म के प्रवर्तक माने जाते हैं।
6. सही
7. गलत — इसकी रचना बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी।
8. सही
9. सही
10. गलत — यह सागर/महासागर के लिए प्रयुक्त हुआ है।

CBSEClassWorksheets

भाग द : दो पंक्तियों में उत्तर

1. 'त्रिवेणी' का अर्थ है तीन नदियों का संगम। कविता में यह गंगा-यमुना नदियों की लहराती धारा के संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है।

2. दक्षिण भारत के मलय पर्वत से चलने वाली सुगंधित वायु को 'मलय पवन' कहते हैं। यह तन-मन को सुखद अनुभूति देती है।

3. 'रघुपति' श्रीराम का नाम है, जो दशरथ के पुत्र थे। 'सीता' जनक की पुत्री जानकी का नाम है।

4. 'गीता' श्रीमद्भगवद्गीता का संक्षिप्त नाम है। इसमें महाभारत के समय श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच हुए प्रश्न-उत्तर और संवाद संकलित हैं।

5. गौतम बुद्ध एक प्रसिद्ध महापुरुष और बौद्ध धर्म के प्रवर्तक थे। उन्होंने संसार को दया और सत्य का मार्ग दिखाया।

6. कवि सोहनलाल द्विवेदी का जन्म लगभग सवा सौ वर्ष पहले हुआ था, जब भारत पर अंग्रेज़ों का शासन था।

7. सोहनलाल द्विवेदी की दो अन्य प्रसिद्ध रचनाएँ हैं — 'बढ़े चलो, बढ़े चलो' तथा 'कोशिश करने वालों की हार नहीं होती'।

8. 'वंदे मातरम्' बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचा गया था। भारत में इसका स्थान राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान माना जाता है।

9. 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता की लड़ाई में लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत था। इसने भारतवासियों में देशभक्ति की भावना जगाई।

10. इन शब्दों का उल्लेख भारत की प्राकृतिक संपदा — सागर और प्रमुख नदियों — के सौंदर्य और महत्व को दर्शाने के लिए हुआ है।

भाग य : संक्षिप्त टिप्पणी के उत्तर

1. 'त्रिवेणी' का अर्थ है तीन नदियों का मिलन या संगम। 'सिंधु' शब्द का प्रयोग समुद्र या महासागर के लिए होता है, हालाँकि यह एक प्रसिद्ध नदी का भी नाम है। 'मलय पवन' दक्षिण भारत के मलय पर्वत की दिशा से चलने वाली सुगंधित और शीतल वायु है, जो तन और मन दोनों को सुखद अनुभूति देती है। इन तीनों शब्दों के माध्यम से कवि ने भारत की प्राकृतिक विशेषताओं को सुंदर ढंग से चित्रित किया है।

2. कविता के अनुसार श्रीराम (रघुपति) और सीता दोनों का जन्म इसी मातृभूमि में हुआ था। श्रीकृष्ण ने भी इसी भूमि पर अपनी वंशी से पुनीत गीता का उपदेश दिया, जो आज भी संसार का मार्गदर्शन करता है। गौतम बुद्ध ने भी इसी धरती पर जन्म लेकर संसार को दया और करुणा की शिक्षा दी। इन सभी महापुरुषों के कारण यह भूमि धर्मभूमि, कर्मभूमि और बुद्ध-भूमि के रूप में प्रसिद्ध है।

3. सोहनलाल द्विवेदी का जन्म सन् 1906 में हुआ था और उनका निधन 1988 में हुआ। उस समय भारत पर अंग्रेज़ों का शासन था, और उन्होंने अपनी लेखनी से अंग्रेज़ी शासन का विरोध किया। उनकी कविताओं का प्रिय विषय देशभक्ति रहा है। भारत के गौरव का गान करना उन्हें बहुत प्रिय था। उनकी प्रसिद्ध रचनाओं में 'मातृभूमि', 'बढ़े चलो, बढ़े चलो' और 'कोशिश करने वालों की हार नहीं होती' शामिल हैं।

4. दोनों रचनाएँ भारत-भूमि के प्रति प्रेम और श्रद्धा व्यक्त करती हैं। 'वंदे मातरम्' में मातृभूमि को माता के रूप में प्रणाम किया गया है और उसकी समृद्धि, सुंदरता तथा शीतलता का वर्णन है। 'मातृभूमि' कविता में भी भारत की प्राकृतिक सुंदरता, नदियों, पर्वतों और महापुरुषों का गुणगान किया गया है। दोनों रचनाएँ देशभक्ति की भावना से प्रेरित हैं और भारत को पूज्य तथा गौरवशाली भूमि के रूप में दर्शाती हैं।

5. इन शब्दों के माध्यम से कवि ने भारत की भौगोलिक और प्राकृतिक विविधता को उजागर किया है। उत्तर भारत में बहने वाली पवित्र गंगा-यमुना नदियाँ तथा दक्षिण भारत से चलने वाली सुगंधित मलय पवन — दोनों मिलकर यह दर्शाते हैं कि भारत का प्रत्येक भाग अपनी विशेष सुंदरता और महत्ता रखता है। यह भारत की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर का प्रतीक है।

भाग र : संदर्भ सहित व्याख्या के उत्तर

1. "गंगा यमुन त्रिवेणी नदियाँ लहर रही हैं, जगमग छटा निराली, पग पग छहर रही हैं।"

संदर्भ: ये पंक्तियाँ सोहनलाल द्विवेदी रचित कविता 'मातृभूमि' से ली गई हैं।

व्याख्या: कवि कहते हैं कि गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियाँ लहराती हुई बह रही हैं। इनकी जगमगाती और अनोखी छटा हर कदम पर बिखरी हुई दिखाई देती है।

2. "झरने अनेक झरते पहाड़ियों में, चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।"

संदर्भ: यह पंक्तियाँ सोहनलाल द्विवेदी की कविता 'मातृभूमि' से उद्धृत हैं।

व्याख्या: कवि भारत की प्राकृतिक सुंदरता बताते हुए कहते हैं कि पहाड़ियों से अनेक झरने झरते हैं और झाड़ियों में पक्षी मस्त होकर प्रसन्नतापूर्वक चहचहाते हैं।

3. "गौतम ने जन्म लेकर, जग का सुयश बढ़ाया, जग को दया सिखाई, जग को दिया दिखाया।"

संदर्भ: ये पंक्तियाँ सोहनलाल द्विवेदी रचित कविता 'मातृभूमि' से ली गई हैं।

व्याख्या: कवि बताते हैं कि गौतम बुद्ध ने इस भूमि पर जन्म लेकर संसार की कीर्ति बढ़ाई। उन्होंने संसार को दया का पाठ पढ़ाया और सही मार्ग दिखाया।

4. "सुजलाम् सुफलाम्, मलयज शीतलाम्, शस्यश्यामलाम् मातरम्!"

संदर्भ: यह पंक्तियाँ बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' से ली गई हैं, जिसका भावार्थ इस पाठ में दिया गया है।

व्याख्या: इन पंक्तियों में मातृभूमि को प्रणाम करते हुए कहा गया है कि वह जल से भरी हुई, फलों से परिपूर्ण, मलय पवन से शीतलता पाने वाली तथा हरे-भरे खेतों से सुशोभित है।

5. "मुझे तोड़ देना वनमाली! उस पथ में देना तुम फेंक। मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जावें वीर अनेक।"

संदर्भ: ये पंक्तियाँ माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा रचित कविता 'पुष्प की अभिलाषा' से ली गई हैं, जो इस पाठ की अनुपूरक पठन-सामग्री में दी गई है।

व्याख्या: फूल माली से कहता है कि उसे उस मार्ग पर फेंक दिया जाए जिस मार्ग से होकर वीर लोग अपना सिर मातृभूमि पर अर्पित करने जाते हैं। फूल का यह त्याग और देशभक्ति का भाव अत्यंत प्रेरणादायक है।

CBSEClassWorksheets